भारत का सबसे तेज बढ़ता अख़बार

दैनिक भास्कर

वर्ष 12 अंक 258 । महानगर• मूल्य 3.00 रु. । कुल पेज 14

अजमेर, मंगलवार 23 दिसंबर 2008 पौष कृष्ण पक्ष-11, 2065

◀◀ पेज-12 पेज-5 ▶▶

मंदी के बावजूद 3.73 लाख नौकरियां

अमेरिका सहित पूरी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में है और हर तरफ नौकरियों के लाले हैं। इसके बावजूद भारत पर असर नहीं है। देश में विभिन्न क्षेत्रों में इसी साल पौने चार लाख नौकरियों के अवसर सामने हैं।

देश में अवसर

इसी वित्त वर्ष में 3,39,373 भर्तियां

बैंकिंग	बीमा	बीपीओ	इंफोटेक
48,873	2,13,500	7000	70,000

टैक्स्ट-राजेंद्र पी. शर्मा, इनपुट-भास्कर न्यूज नेटवर्क

जयपुर/नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलूर

आर्थिक मंदी के बावजूद देश में नौकरियों की कमी नहीं है। नए, ऊर्जावान और उत्साह से भरे युवाओं की हर सेक्टर को जरूरत है। विभिन्न संस्थाओं और कंपनियों ने 3,73,000 नौकरियों की घोषणा की है। इनमें से 3,39,373 भर्तियां तो इसी वित्त वर्ष में होनी है। नौकरियां देने के मामले में बीमा सेक्टर पहले पायदान पर है। इसमें 2,13,500 भर्तियां होंगी। बैंकिंग सेक्टर 48,873 नौकरियां देगा। बीपीओ में 7,000 व इंफोटेक में 70,000 अवसर हैं।

भास्कर रिसर्च

ग्लोबल मानव संसाधन सलाहकार फर्म मैनपावर के सर्वे को आधार माने तो रोजगार के लिहाज से भारत की गिनती दुनिया के तीन सबसे बेहतर देशों में होती है। यही वजह है कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में छंटनी की बात करने वाली कई कंपनियों ने भारत में नई भर्ती करने का काम किया है। मैनपावर के इस सर्वे के अनुसार लगभग 19 प्रतिशत कंपनियों को अगले साल की पहली तिमाही में रोजगार बढ़ने की काफी उम्मीद है।

देशभर में हो रही नौकरियों की इन घोषणाओं में हमारा प्रदेश भी पीछे नहीं है। यहां के चुनिंदा कॉर्पोरेट घरानों और कंपनियों ने अपनी भावी कार्यक्षमता की जरूरतों को देखते हुए नए जॉब्स प्रदान करने की पहल की है। भले ही इनकी संख्या काफी सीमित ही क्यों न हो लेकिन यह खुशनुमा संकेत है नए दौर का।

तब छंटनी करने वाले थे, अब भर्ती

वैश्विक आर्थिक मंदी को लेकर भारतीय कॉर्पोरेट सेक्टर में छंटनी को लेकर जारी भ्रम के बादल भी अब छंटने लगे हैं। कई नामी कंपनियों ने छंटनी की किसी भी संभावना से इनकार किया है। अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप ने भी नौकरियों में किसी भी प्रकार की कटौती से इनकार किया है। ग्रुप अगले कुछ माह में 90000 तक नौकरियों के अवसर प्रदान करेगा।

बाजार में धीमेपन का कंपनी के कामकाज पर कोई असर नहीं होगा और इसीलिए हमने विस्तार की बड़ी योजना बनाई है।

—एके दासगुप्ता, प्रबंध निदेशक, एलआईसी

मंदी को पीछे छोड़ मंजिल की ओर बढ़ते कदम

राष्ट्रीय स्तर पर

बैंकिंग और फाइनेंस

एसबीआई इसी वित्त वर्ष में भरेगी 25000 नए पद। एसोसिएट बैंको के लिए भी 4280 नई भर्तियां करने की घोषणा।

बैंक आफ बड़ौदा मार्च 2009 तक 2000 कर्मचारियो की नियुक्ति।

आईडीबीआई बैंक करेगा 650 कर्मचारियो की भर्ती।

बैंक आफ इंडिया अगले कुछ माह मे करेगा 10,000 लोगो की भर्ती।

पंजाब नेशनल बैंक इसी वित्त वर्ष मे 2000 को जॉब्स प्रदान करेगा।

फेडरल बैंक अगले तीन साल में 3000 भर्तियां करेगा।

इंडियन ओवरसीज बैंक क्लर्क श्रेणी में 1000 भर्तियां करेगा।

"मंदी की मार झेल रही कंपनियों के लिए भारत कम लागत का प्रमुख बाजार है। आर्थिक संकट के बावजूद हमारी कंपनियों का लाभ विदेशी कंपनियों के मुकाबले उच्च स्तर का है। जब विदेशी कंपनियां 10 फीसदी लाभ के लिए जूझ रही थीं, हमारी कंपनियों ने 50-60% तक मुनाफा कमाया है।

—कमलनाथ, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री

बीमा

एलआईसी में 45,000

मेटलाइफ में 32,000

रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस 90000 एडवाइजर्स और 2500 मैनेजर।

मैक्स न्यूयार्क लाइफ में 30,000 एजेंट और 14,000 कर्मचारी।

मैन्युफैक्चरिंग

एलएंडटी तीन साल मे 10,000 भर्तियां करेगी।

ऑटो सेक्टर मे मारुति ने 1000 युवाओं को काम देने का फैसला किया है।

जीएम इंडिया में 500 व टोयोटा में 300 की भर्ती।

बीपीओ

एजिस बीपीओ सर्विसेज हर माह 1000 लोग अपने साथ जोड़ेगी।

एसीएस कुछ महीनो में 1000 को देगी जॉब्स।

एमफेसिस मार्च 2009 तक 3500 भर्ती

कैंपस

आईआईएम बेंगलूर और आईआईएम अहमदाबाद में अगले साल के लिए प्लेसमेंट मिल गया है।

विप्रो ने 13500 को कॉल सेंटर्स में जॉब दिया।

इंफोटेक

टीसीएस में 30,000 से 35,000 भर्तिया।

इंफोसिस में 25,000 लोगों को जॉब।

सत्यम में 8,000 से 10,000 भर्तिया।

टेलीकॉम

एल्काटेल-ल्यूसेंट भारत में अगले साल करेगी 1000 लोगो की भर्ती।

बीएसएनएल और एमटीएनएल एक साल में करीब 700 मैनेजमेंट ट्रेनी की भर्ती।

भारत में ही भर्तियां क्यों?

- अर्थव्यवस्था की सात से आठ फीसदी की वृद्धि दर
- कम लागत से विदेशी कंपनियो के लिए मंदी में बचत व लाभ का स्रोत
- नए अवसरों के लिए उपयोगी
- कुशल, समर्पित कर्मचारी
- मझौले शहरों में कारोबार के विस्तार की संभावनाएं

वो डूबे, हम उबरे

- दूरसंचार क्षेत्र की कंपनी एल्काटेल-ल्यूसेंट ने विश्व में 1000 की छंटनी की वहीं भारत में वह इतनी ही संख्या में नई भर्ती करने जा रही है।
- जनरल मोटर्स अमेरिका में छंटनी कर रही है और प्लांट बंद कर रही है जबकि भारत में वह 500 कर्मचारियों की भर्ती करेगी।
- जापानी कंपनी टोयोटा भारत में 300 नए पद भरेगी। इंटरनेट कंपनी याहू ने अमेरिका में 1500 को बाहर कर दिया। भारत में वह अपना विस्तार करने जा रही है।

ऐसा क्यों

क्योंकि भारतीय बाजार में अपार संभावनाएं हैं। इससे भी बढ़कर है हमारा हुनर, कुशलता और समर्पण।

...और राजस्थान में

17 हजार नौकरियां

जयपुर में 12,200

- श्याम टेलीलिंक लि. देश भर में विस्तार कार्यक्रम के तहत 500 कर्मचारियों की भर्ती करेगी।
- डाटा इंफोसिस मार्च 2009 तक 200 लोगो की भर्ती करेगी।
- बीपीओ कंपनी जेनपैक्ट अगले छह माह के भीतर 300 से 500 कर्मचारियों की भर्ती करेगी।
- केबल्स कंपनी एमजी केबल्स मार्च तक 150-200 लोगो की भर्ती।
- कैंपस सलेक्शन में 700 से ज्यादा छात्र-छात्राओं का चयन होगा।
- महिन्द्रा सेज में 10000 लोगों को जॉब्स के अवसर मिलेंगे।

जोधपुर में 2000

7 मॉल्स में 2000 लोगों को रोजगार मिलेगा। एल्कोबेक्स करेगी 25 लोगों की भर्ती।

सीकर में 1500

3 सीमेंट इकाइयों में 1500 के लिए रोजगार संभव

अलवर में 1250

सैंट गोबेन और मेट्सो मिनरल्स में 1250 जॉब्स।

अजमेर में 100

पारले के फ्रेंचाइजी महेंद्र शारदा करेंगे कंपनी में 100 कर्मचारियो की भर्ती।

श्रीगंगानगर में 50

विकास डब्ल्यूएसपी करेगी 50 कर्मचारियो की भर्ती।

इसलिए राज्य में आ रहे हैं जॉब

आईटी और आईटी आधारित सेवाओं जैसे बीपीओ के संचालन के लिए कम लागत वाले शहरों में जयपुर सबसे शीर्ष पर है। गुड़गांव के महंगे हो जाने का लाभ जयपुर को मिला है। शिक्षा, यातायात सुविधा, सस्ते और कुशल कामगार और दूसरे शहरों के मुकाबले अपेक्षाकृत सस्ते होने से जयपुर में बीपीओ कंपनियां रोजगार के नए द्वार खोल रही हैं।

मुझे लोग चाहिए, भर्ती जरूरी है

मुझे अपने प्लांट के लिए युवा और अनुभवी कर्मचारियों की जरूरत है। मंदी कहां है? आर्थिक प्रगति के दौर में राजस्थान किसी से पीछे नहीं है। मेरी योजना दो आईआईटी को गोद लेने की है ताकि हर साल 50 बच्चों को अपनी कंपनी में नौकरी दे सकूं।

—जीसी कानूनगा, प्रबंध निदेशक, अल्कोबेक्स मेटल्स लि., जोधपुर

हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत

नए जॉब्स की घोषणाओं से उत्साह का संचार होने लगा है। यह हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती को भी दर्शाता है।

—अपूर्व कुमार, चेयरमैन, सीआईआई राजस्थान